

कामोद्दीपन पुं. (तत्.) 1. काम का वेग 2. उन्माद जो काम के वेग से होता है।

काम्य वि. (तत्.) 1. जिसकी इच्छा हो 2. जिससे कामना की सिद्धि हो जैसे- काम्य कर्म पुं. (तत्.) वह यज्ञ या कर्म जो किसी कामना की सिद्धि के लिए किया जाए जैसे- पुत्रेष्टि।

काम्यकर्म पुं. (तत्.) वह कर्म जो किसी कामना की प्राप्ति के लिए किया जाए।

काम्यदान पुं. (तत्.) 1. रत्न आदि का दान 2. वह दान जो पुत्र आदि की कामना से किया जाए।

काम्यमरण पुं. (तत्.) 1. इच्छानुसार मृत्यु 2. मुक्ति।

काम्या स्त्री. (तत्.) 1. इच्छा 2. प्रार्थना 3. गाय।

कामेड पुं. (अं.) दे. कामरेड।

कायँकायँ पुं. (तत्.) 1. कौवे की बोली 2. स्यार की बोली।

काय पुं. (तत्.) 1. शरीर, देह, जिस्म 2. प्रजापति तीर्थ, कनिष्ठा उँगली का निचला भाग 3. प्रजापति का हवि, वह हवि जो प्रजापति के निमित्त हो 4. प्राजापत्य विवाह 5. मूल धन 6. वस्तु स्वभाव, लक्षण 7. लक्ष्य 8. समुदाय 9. बौद्ध भिक्षुओं का संघ 10. पेड़ का तना 11. तारों के बिना वीणा का ढाँचा 12. निवास स्थान।

कायचिकित्सा स्त्री. (तत्.) सुश्रुत के किए गए चिकित्सा के आठ विभागों में से एक।

कायदा पुं. (अर.) 1. नियम 2. चाल, दस्तूर, ढंग 3. विधि, विधान 4. क्रम, व्यवस्था 5. व्याकरण।

कायम वि. (अर.) 1. ठहरा हुआ 2. स्थापित 3. निर्धारित, मुकर्रर 4. जिसमें किसी पक्ष की हार जीत न हो, ड्रा मुहा. कायम उठाना- हार जीत के बिना शतरंज की बाजी समाप्त होना।

कायममिजाज पुं. (अर.) सुस्थिरचित्त आत्मकथा।

कायर वि. (तत्.) डरपोक, भीरु, कमहिम्मत।

कायरता स्त्री. (तत्.) डरपोकपन, भीरुता।

कायल वि. (अर.) 1. जो दूसरे की बात की यथार्थता को स्वीकार कर ले, जो तर्क से सिद्ध बात को मान ले 2. जो दूसरे से प्रभावित होने पर अपना पक्ष छोड़ दे, कबूल करनेवाला 3. निरुत्तर मुहा. कायल करना- समझा बुझा कर कोई बात मनवाना; कायल होना- दूसरे की बात की सच्चाई स्वीकार करना जैसे- हम उसकी बुद्धिमानी के कायल हो गए।

कायस्थ वि. (तत्.) काय में स्थित, शरीर में रहनेवाला पुं. (तत्.) 1. एक जाति का नाम जो चित्रगुप्त के वंशज कहलाते हैं, कायथ 2. जीवात्मा 3. परमात्मा।

काया स्त्री. (तत्.) शरीर, देह मुहा. काया पलट जाना- रूपांतर हो जाना जैसे- मरम्मत के बाद मकान की काया पलट गई; काया पलट देना- और से और कर देना।

कायाकल्प पुं. (तत्.) 1. औषध के प्रभाव से वृद्ध शरीर को पुनः शक्ति संपन्न और तरुण करने की क्रिया 2. वह चिकित्सा जिससे जर्जर शरीर नया हो जाए।

कायापलट पुं. (तद्.) 1. भारी हेर-फेर, बहुत बड़ा परिवर्तन 2. शरीर का नया रूप प्राप्त करना।

कायिक वि. (तत्.) 1. शरीर संबंधी, शरीर से उत्पन्न जैसे- कायिक कर्म 3. संघ संबंधी (बौद्ध)।

कायिका स्त्री. (तत्.) ऋण के बदले मिलने वाला ब्याज, सूद।

कायिकी स्त्री. (तत्.) शरीर की क्रियाओं का विज्ञान। physiology

कायोत्सर्ग पुं. (तत्.) 1. जैन शिल्प में अर्हत की वीतराग अवस्था में खड़ी मूर्ति 2. जैन धर्म के अनुसार एक प्रकार की अग्नि, तपस्या 3. देहत्याग, मरण।

कार स्त्री. (अं.) गाड़ी, मोटर गाड़ी। motor car

कार पुं. (तत्.) 1. (यौगिक अर्थ में) क्रिया, कार्य जैसे- उपकार, स्वीकार, अहंकार 2. (समास के अंत में) करनेवाला, बनानेवाला, रचनेवाला जैसे-